

सम्पादकीय

इस मामले में देर से ही सही, योगी सरकार ने प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारियों को दंडित करने की बात कही है। यदि इस मामले में सरक्त कार्रवाई होती है तो बिल्डरों-अधिकारियों का अपवित्र गठजोड़ टूटेगा। सरकार को भी रिहिल एस्टेट सेक्टर के निर्माण में पारदर्शिता लाने के ...

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नोएडा स्थित सुपरटेक लिमिटेड द्वारा बनाये दो अवैध चालीस-चालीस मंजिला टावरों को गिराये जाने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश देश भर के उन बिल्डरों व भ्रष्ट अधिकारियों के लिये बड़ा सबक है जो उपभोक्ताओं की खून-पसीने की कमाई से खिलवाड़ करके मोटी कमाई कर रहे हैं। दरअसल, तमाम कायदे-कानूनों को ताक पर रखकर बने इन टावरों के बनने से जनसुरक्षा और परिवेश के पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर खतरा पैदा हो गया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने इसके लिये लंबी लडाई लड़ी। कोर्ट नन केवल बहुमंजिला इमारतों को तीन माह में गिराने का आदेश दिया बल्कि घर के खरीदारों को बुकिंग के समय से उनकी देय राशि बारह फीसदी व्याज के साथ दो महीने में चुकाने का आदेश भी दिया है। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार से उन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है, जिनकी मिलीभगत से भ्रष्टाचार की ये इमारतें खड़ी हो सकी हैं। दरअसल, इससे पहले अवैध रूप से बनी बहुमंजिला इमारतों को गलत ढंग से बनाये जाने से हवा, धूप व जीवन अनुकूल परिस्थितियां न होने पर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में मामला दायर किया था। वर्ष 2014 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इन टावरों को गिराने के आदेश दिये थे। लेकिन इसके बाद बिल्डर राहत पाने की आस में सुप्रीम कोर्ट चले गये। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिल्डरों व नोएडा विकास प्राधिकरण की दलीलों को खारिज करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को ही लागू करने के आदेश दिये। साथ ही बिल्डरों को अपने खर्च पर टावर गिराने के आदेश दिये। दरअसल, प्राधिकरण के अधिकारियों की मिलीभगत से तमाम नियम-कानूनों को ताव पर रखा गया। बताते हैं कि प्राधिकरण की अनमति मिलने से पहले ही इमारत का निर्माण कार्य

सरका सदैश

प्रारंभ हो गया था। बिना अधिकारियों की मिलीभगत ऐसा कैसे संभव है कि प्राधिकरण की नजर के सामने भवन निर्माण तथा उत्तर प्रदेश अपार्टमेंट एकट की अनदेखी होती रही हो? दरअसल, यह पहला मामला नहीं है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और देश के तमाम भागों में इस किस्म की बहुमंजिला इमारतों में नागरिक जीवन, सुरक्षा और हितों की अनदेखी के साथ ही पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को ताक पर रख दिया गया हो। सुपरटेक की बिल्डिंग के निर्माण में हरित क्षेत्र और खुले एरिया की अनदेखी को लेकर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने बार-बार आवाज उठायी। शीर्ष अदालत ने स्वीकार किया कि जब प्राधिकरण बिल्डरों की मनमानी पर अंकुश लगाने में विफल रहता है तो इससे सीधे-सीधे नागरिक जीवन की गुणवत्ता बाधित होती है। लेकिन भ्रष्ट अधिकारियों से मिलीभगत करके बिल्डरों का निरंकुश खेल विभिन्न आवासीय परियोजनाओं में बदस्तूर जारी रहता है। निःसंदेह खून-पसीने की कमाई से घर का सपना देखने वाले लोगों के जर्खों पर मरहम लगाने के लिये दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। तभी भविष्य में इस अपवित्र गठबंधन की गांठें खुल सकेंगी। लोग पेट काटकर और बैंकों व वित्तीय संस्थाओं से ऋण लेकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अपनी छत का सपना देखते हैं। लेकिन अधिकारियों से मिलीभगत करके बिल्डर उनके स्वप्न को दुरुस्वप्न में बदल देते हैं। निःसंदेह, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की पहल और अदालत के फैसले से देश में तमाम ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के सदस्यों में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। वे अपने हितों के लिये संघर्ष करेंगे। साथ ही शेष भारत के बिल्डरों के लिये भी कोर्ट के फैसले से सख्त संदेश जायेगा कि भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से वे चाहे कितने ही ऊंचे भ्रष्टाचार के टावर खड़े कर लें। एक दिन उन्हें जर्मींदोज होना ही पड़ेगा।

**ਬੜੇ ਧੋਖੇ ਹੈਂ
ਇਸ ਰਾਹ ਮੈਂ**

प्रदीप उपाध्याय

अंततर तालिबान ने भारत को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज ही दी, जैसी कि संभावना थी। भारत की तरफ से दबी जुबान में यह जरूर कहा जा रहा है कि मेरे दुश्मन तू मेरी दोस्ती को तरसे, मुझे गम देने वाले तू खुशी को तरसे। माना कि चीन और पाकिस्तान बिछे चले जा रहे हैं लेकिन तालिबान हैं कि भारत से नैन मटक्का करना चाह रहा है। उन्होंने सोचा था कि मछली को जाल में वे फंसा रहे हैं। यही सोचकर उन्होंने डोरे डाले थे लेकिन उसके मगरमच्छ होने की अभी तक वे कल्पना भी नहीं कर पाए हैं। इधर मेरे एक मित्र के पास भी फ्रेंड रिक्वेस्ट आई है। जिस तरह से भारत को तालिबान पर भरोसा नहीं है, ठीक उसी तरह मेरे मित्र को उस दोस्ती के स्नेह निमंत्रण पर भरोसा नहीं है। उनको भी लग रहा है कि दोस्ती के जाल में वे ही क्यों! और फिर उसकी कीमत कितनी चुकानी पड़ेगी! क्या पता तालिबान की तरह बाद में खुंखार रूप दिखा दे। मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि तालिबान की तरह ही आखिर उस स्नेहीजन ने यह कैसे सोच लिया कि भारत की तरह वे लोनलीनेस फील कर रहे हैं! और भाई, भरा-पूरा परिवार है, हंसती-खेलती दुनिया है। फिर उन पर ही यह नजरें इनायत क्यूँ। उद्धर भारत पसोपेश में है कि इस फ्रेंड रिक्वेस्ट पर क्या प्रतिक्रिया दे और इधर मेरे मित्र भी सोच में पड़ गये हैं कि करें तो क्या करें! अब दोस्ती का स्नेह निमंत्रण है और सामने वाली कह रही है कि वह आपका अकेलापन दूर कर देगी। आपकी निजता का पूरा-पूरा ध्यान रखेगी। तब ऐसे में भरे-पूरे परिवार वाला भी अकेलापन महसूसते हुए ऐसी दोस्ती को हंसते-हंसते कुबूल फरमाना चाहेगा। लेकिन क्या पता तालिबान की तरह बाद में दुश्मन देश चीन-पाकिस्तान जैसों की बाहों में झूल जाए! उधर तालिबान जैसे की दोस्ती का प्रस्ताव, जिसने अमेरिका जैसे को धूल चटा दी, भेजे तो गर्व से सीना चौड़ा करने का जी चाहता है। लेकिन जैसा कि कहा गया है कि श्वरु कीजै जान के और पानी पीजै छान केच की तर्ज पर ही श्वेष्टी कीजै जान केच का गुरु ज्ञान बचपन में बड़े बुजुर्गों से मिलता रहा है लेकिन जिस तरह से क्रिकेट में बाहर की ओर निकलती बाल धाकड़ बैट्समैन को भी ललचा देती है और वह स्लिप में खड़े फील्डर को आसान-सा कैच थमा बैठता है, ठीक उसी तरह फिसलने और गलती कर जाने के अवसर जाने-अनजाने बन ही जाते हैं। बाद में आउट हो जाने के साथ पछताने के अलावा कुछ नहीं रहता। तब फिर इन दोनों को क्या करना चाहिए। क्या दोस्ती के आफर को ढुकरा देना चाहिए या कि आजमा लेना चाहिए। कितने तो इस्लामी देश हैं और फिर पड़ोसी चीन और पाकिस्तान तो सरपरस्त हैं ही तब फिर भारत को ही फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने के पीछे क्या भेद है और इधर मित्र को स्नेह का खुला व्यक्तिगत निमंत्रण! बस इतना ही कह सकते हैं— शबाबूजी धीरे चलना, दोस्ती में जरा सम्पलना, बड़े धोखे हैं, इस राह में, जरा संभलना।

फैलावी इरादे-पैर से सोने का संघान

शुरुआत में कोच वीरेंद्र धनरवड़ ने उनका मनोबल बढ़ाया और दिल्ली के साईंट सेंटर लेकर पहुंचे। इस बार के ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा को आंतिल अपनी प्रेरणा मानते हैं। जब नीरज ने गोल्ड जीता तो सुमित को लगा कि मैं भी गोल्ड जीत सकता हूं। सुमित को इस बात का मलाल रहा कि वह नीरज की तरह भारतीय सेना में नहीं जा सके। लेकिन नीरज के पदक जीतने ...

अरुण नैथानी

उस व्यक्ति के सपनों के संघर्ष का अंदाजा सहजता से लगाया जा सकता है, जिसने अल्पायु में पिता को खो दिया और फिर किशोरावस्था में हुई दुर्घटना में अपना एक पांव गंवा दिया हो। कभी उसकी इच्छा देश के लिये कुश्ती में ओलंपिक पदक लाने की थी। जब एक पांव गंवाना पड़ा तो यह सपना भी अधूरा रह गया। फिर कुश्ती के लिये पदक जीतने का सपना टूट जाने पर उसने नई खेल विधा में अपना भविष्य संवारने का संकल्प लिया। उसने संकल्प लिया कि वह पैरा खेलों में अपनी ऊर्जा लगाएगा। फिर दृढ़ निश्चय और मेहनत से उसने जीवन का संकल्प पूरा किया। सुमित आंतिल के संकल्प की यह कहानी इस बार के टोक्यो पैरालंपिक में तब हकीकत बनी जब उसने कई रिकॉर्ड बनाते हुए भाला फेंक में देश की झोली में सोने का पदक डाल दिया। निस्संदेह, एक पैरा ओलंपिक खिलाड़ी का संघर्ष एक सामान्य खिलाड़ी से कई गुना ज्यादा होता है। एक तो उसे शारीरिक अपूर्णता के खिलाफ संघर्ष करना होता है, दूसरे शारीर के अनुरूप खेल सुविधा एं न होने का दंश भी झेलना पड़ता है। विडंबना यह है कि हम पैरा खिलाड़ियों की उपलब्धियों को तरजीह नहीं देते। जबकि वे भी पैरा स्पर्धाओं में उसी विश्व स्तर की प्रतियोगिता का सामना करते हैं। हमें इस सवाल पर आत्ममंथन करना चाहिए कि पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा के जैसा ही सम्मान पैरालंपिक में भाला स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित आंतिल को देंगे? जबकि दोनों ही खिलाड़ी विश्व स्तर के मुकाबले का सामना करते हैं। दोनों ही देश की यश—कीर्ति की पताका फहराते हैं। बहरहाल, पैरालंपिक 2020 में सुमित ने नया इतिहास रच दिया। उन्होंने दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता है। सोनीपत, हरियाणा के सुमित ने पुरुषों की एफ-64 स्पर्धा में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए यह कामयाबी हासिल की। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने पांचवें प्रयास में 68.55 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाया। दरअसल, जब सुमित बारहवीं कक्षा में था तब एक सड़क हादसे में उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। डॉक्टरों को उनकी जान बचाने के लिये उनके बायें पैर के घुटने के नीचे के हिस्से को काटना पड़ा। वे अब कृत्रिम पैर लगाकर खेलते हैं। इस हादसे के बाद उनके ही गांव के एक पैरा एथलीट ने वर्ष 2018 में उन्हें इस खेल के बारे में बताया था। सुमित नीरज चोपड़ा को अपना आदर्श मानते रहे हैं। इस साल मार्च में जब पटियाला में इंडियन ग्रां पी सीरिज आयोजित की गई तो वे नीरज चोपड़ा के खिलाफ खेले थे और 66.43 के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ सातवें स्थान पर रहे थे। वर्ष 2019 में दुर्बई में आयोजित

वेश्व चौंपियनशिप में एफ—64 स्पर्धा में रजत पदक जीतने में कामयाब रहे थे, जिसके चलते उनका टोक्यो पैरालंपिक के लिये टिकट पक्का हो पाया। टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित कहते हैं कि उन्होंने अभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है। अभी 23 साल के सुमित का बहुत खेल बाकी है और निश्चित रूप से वे देश की उमीदों के प्रतीक हैं। सुमित कहते भी हैं कि यह मेरा पहला पैरालंपिक था, इस वजह से मैं कुछ नर्वस था। मेरी सोच थी कि मेरा थो कम से कम 70 मीटर तक जायेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विश्व रिकॉर्ड बनाकर भी मैं संतुष्ट नहीं हूं। कभी सुमित पहलवानी में अपनी क्रेस्मत आजमाना चाहते थे। वे कहते हैं— रसेरे इलाके के परिवार हर किसी को पहलवानी में उत्तरने के लिये मजबूर करते थे। मैंने सात साल की उम्र में कुश्ती के दांवपेच आजमाने शुरू कर दिये थे। [उ] वे मांच साल तक कुश्ती खेलते रहे। लेकिन दुर्घटना ने उनकी कुश्ती भी छीन ली। सुमित मानते हैं कि वे इतने अच्छे पहलवान नहीं थे। इस हादसे ने उनकी जिंदगी बदल दी। जब वे स्टेडियम में पैरा एथलीटों को देखने गये तो उन्हें सलाह दी गई कि उनका शरीर सौष्ठव अच्छा है, तुम पैरालंपिक में अपनी किस्मत आजमा सकते हो। आज जब सुमित का सपना पूरा हुआ है तो वह बेहद खुश है। दरअसल, अर्जुन अवार्ड कोच नवल सिंह के कहने पर सुमित ने जैवलिन थो खेलना आरंभ किया था पहले—पहल एशिया चौंपियनशिप में वह बहुत कुछ न कर सके, लेकिन 2019 की विश्व चौंपियनशिप ने उनकी किस्मत बदल दी। सोनीपत के खेवड़ा गांव का सुमित आज पूरी दुनिया में अपनी कामयाबी की पूम मचा रहा है। इस सफलता से वह उस दर्द को भूल गया जो उसने महीनों अस्पताल में बिताने पर महसूस किया था। इसके बावजूद वर्ष 2016 में पुणे में कृत्रिम पैर लगा तो उसका विश्वास बढ़ा। शुरुआत में कोच वीरेंद्र धनखड़ ने उनका मनोबल बढ़ाया और दिल्ली के साई सेंटर लेकर पहुंचे। इस बाब के ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा को आंतिल अपर्ना प्रेरणा मानते हैं। जब नीरज ने गोल्ड जीतने तो सुमित को लगा कि मैं भी गोल्ड जीत सकता हूं। सुमित को इस बात का मलाल रहा कि वह नीरज की तरह भारतीय सेना में नहीं जा सके। लेकिन नीरज के पदक जीतने से मुझे मानसिक ताकत मिली। वे बताते हैं कि ट्रेनिंग के दौरान नीरज ने कहा था कि आपके अंदर पावर काफी है, बस आपके भाला फेंकने की तकनीक पर ध्यान देना है। फिर मैंने कोच नवल सिंह व वीरेंद्र धनखड़ की देखरेख में तकनीक पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया। फिर अच्छी तैयारी से मैं सोने का पदक ला सका। ये पदक नीरज चोपड़ा और मेरे कोचों को समर्पित है।

उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में जो ऐतिहासिक वृद्धि दर देखने को मिली है, उसे आगे भी बढ़ाए रखने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। चालू वित्त वर्ष के बजट का कार्यान्वयन उपयुक्त रूप से किया जाएगा। चालू वित्त वर्ष के बजट के अलावा सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर से जंग के लिए जो वित्तीय राहत पैकेज घोषित किए हैं, उनका भी कारण तरीके ...

जयंतीलाल भंडारी
राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी किए गए हालिया आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ने 20.1 फीसदी की विकास दर बताई है। देश के इतिहास में पहली बार विकास दर में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2020–21 की समान तिमाही में जीडीपी में 25.4 फीसदी की विपरीत आर्द्ध थी। अर्थव्यवस्था में तेज सुधार के संकेत देते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही ही वह अवधि थी जब देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी घाटक लहर आई और आर्थिक व कारोबारी गतिविधियां ढह गई थीं। लेकिन इस बार देशव्यापी लॉकडाउन नहीं लगा। प्रादेशिक स्तर पर लॉकडाउन जैसे कदम उठाए गए। साथ ही कई अहम आपूर्ति शृंखलाएं लगातार कार्यरत रहीं। ऐसे में भारत ग्रुप-20 देशों में सबसे तेजी से विकास दर बढ़ाने वाला देश बन गया को उच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाए जाने के लाभ मिले हैं। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर लगातार बढ़ी है। यह 2019–20 की पहली तिमाही में 3.3 फीसदी थी। पिछले वर्ष की पहली तिमाही में 3.5 फीसदी व इस वर्ष की पहली तिमाही में 4.5 फीसदी है। कृषि क्षेत्र से निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक चालू फसल वर्ष 2020–21 में कोरोना की आपदा के बावजूद देश में ज्वालाजल ती कल ऐटाताज

गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 49.6 फीसदी उछाल आई है। निर्माण गतिविधियों में 68.3 फीसदी की शानदार वृद्धि हुई है। व्यापार, होटल, परिवहन क्षेत्र में 34.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं में पहली तिमाही के दौरान 3.7 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। कृषि और संबंधित गतिविधियों में पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत की

मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

अर्थव्यवस्था में तेज सुधार के संकेत देते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही ही वह अवधि थी जब देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी घाटक लहर आई और आर्थिक व कारोबारी गतिविधियां ढह गई थीं। लेकिन इस बार देशव्यापी लॉकडाउन नहीं लगा। प्रादेशिक स्तर पर लॉकडाउन जैसे कदम उठाए गए। साथ ही कई अहम आपूर्ति शृंखलाएं लगातार कार्यरत रहीं। ऐसे में भारत ग्रुप-20 देशों में सबसे तेजी से विकास दर बढ़ाने वाला देश बन गया है। भारत की विकास दर अगले साल तक महामारी के पूर्व स्तर पर पहुंच सकती है।

यकीनन कोरोना संक्रमण से निर्मित आर्थिक मुश्किलों के बीच चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में जीडीपी को बढ़ाने में चार अनुकूलताएं लाभप्रद रही हैं। एक, मजबूत कृषि विकास दर, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन व रिकॉर्ड कृषि निर्यात। दो, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार। तीन, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रिकॉर्ड प्रवाह। चार, तेजी से बढ़ता हुआ शेयर को उच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाए जाने के लाभ मिले हैं। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर लगातार बढ़ी है। यह 2019–20 की पहली तिमाही में 3.3 फीसदी थी। पिछले वर्ष की पहली तिमाही में 3.5 फीसदी व इस वर्ष की पहली तिमाही में 4.5 फीसदी है। कृषि क्षेत्र से निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक चालू फसल वर्ष 2020–21 में कोरोना की आपदा के बावजूद देश में खाद्यान्न की कुल पैदावार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 30.86 करोड़ टन अनुमानित है। यह खाद्यान्न पैदावार पिछले वर्ष की कुल पैदावार 29.75 करोड़ टन के मुकाबले अधिक है। इतना ही नहीं, भारत दुनिया में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति हेतु एक सुसंगत और विश्वसनीय निर्यातक देश के रूप में उभरकर सामने आया है। पिछले वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान देश से 41.25 अरब डॉलर मूल्य के कृषि एवं संबद्ध उत्पादों का निर्यात किया गया। यह सालभर पहले की इसी अवधि के 35.15

विकास कर में वीर्घकालीन वृद्धि के हँस्यास

निरुसंदेह देश में

निरापद होने का बढ़ता मुद्रा विद्यराजा निवेश के प्रवाह से भी विकास दर बढ़ने में मदद मिली है। यद्यपि अप्रैल से जून 2021 की तिमाही में दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में बड़ी गिरावट थी, इसके बावजूद विदेशी निवेशकों द्वारा भारत को एफडीआई के लिए प्राथमिकता दी गई। साथ ही भारत का विदेशी मुद्रा कोष बढ़ता गया। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक विगत 20 अगस्त को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 616.89 अरब डॉलर की ऐतिहासिक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है और भारत दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला देश बन गया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश के विशाल आकार के विदेशी मुद्रा भंडार से जहां भारत की वैश्विक आर्थिक साख बढ़ी है, वहीं इस भंडार से देश की एक वर्ष से भी अधिक की आयात जरूरतों की पूर्ति की जा सकती है। अब देश का विदेशी मुद्रा भंडार देश के अंतर्राष्ट्रीय निवेश की स्थिति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। पिछले पांच वर्षों में विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़ा है।

निरुसंदेश शेयर बाजार का भी जीडीपी को बढ़ाने में अहम योगदान है। वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में शेयर बाजार तेजी से बढ़ा है। दुनिया के कई देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार छलांगे लगाकर

ज्ञानपूर्वक विद्या के लिए जल्दी से जल्दी अभियान को पहली बार 57000 के ऊपर बंद हुआ है। शेयर बाजार में आईपीओ लेने की होड़ मची हुई है। शेयर बाजार में छोटे निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। देश में डीमैट खातों की संख्या 6.5 करोड़ से ज्यादा हो गई है। निरुसंदेह जीडीपी के चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 की चुनौतियों के बीच आर्थिक अनुकूलताओं से अर्थव्यवस्था में सुधार आने लगा है। अप्रैल से जून 2021 की तिमाही के घटकों से भी आशावाद की किरणें नजर आती हैं। अगस्त 2021 में जीएसटी संग्रह 1.12 लाख करोड़ रुपये रहा है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न मूल क्षेत्र मसलन बिजली और विनिर्माण आदि में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री और स्टील की खपत में भी प्रगति देखी गई है। चूंकि अभी कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के बीच आर्थिक और औद्योगिक चुनौतियां बनी हुई हैं। ऐसे में चालू वित्त वर्ष में विकास दर को बढ़ाने के और अधिक रणनीतिक प्रयास जरूरी हैं। देश में आशा के अनुरूप मानसून की बारिश नहीं होने के कारण अब खरीफ की फसलों पर अधिक ध्यान देने से कृषि जीडीपी की बढ़त जारी रह सकेगी। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि इस समय कोरोना टीकाकरण लक्ष्य के अनुरूप

इलेक्ट्रिक कॉफी मग को साफ करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके



इलेक्ट्रिक मग के इस्तेमाल से कहीं भी और कभी भी कॉफी और चाय को आसानी से गर्म किया जा सकता है। आमतौर पर इसे लोग ट्रैवलिंग के समय अपने पास रखते हैं। हालांकि, जब बात इलेक्ट्रिक मग की सफाई की आती है तो कई लोग इसे साधारण बर्टनों की तरह साफ कर लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से इलेक्ट्रिक मग खराब हो सकता है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इलेक्ट्रिक मग को कैसे साफ करना चाहिए।

गुनगुने पानी और डिशवॉश लिकिवड का करें इस्तेमाल
इलेक्ट्रिक कॉफी मग की सफाई के लिए आप गुनगुने पानी और डिशवॉश लिकिवड का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक कप गुनगुने पानी में थोड़ा रसायनात्मक डिशवॉश लिकिवड घूंसे दिया जाए तो उत्तेजित कर्तृतमी पापा में नानाकर कम प्रिस्त्रिकर्त्ता की स्फीति होती है। बदाके बाद पापा

सा डिशवांश लिविंग अच्छे से मिलाएं, फिर इस भिश्रण को इलेक्ट्रिक कॉफी मग में डालकर कुछ भिन्नट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद मग को हल्के गर्म पानी से धोएं। ध्यान रखें कि इलेक्ट्रिक कॉफी मग को धोते समय पानी इसकी तार पर न जाए।

वलोरिन सॉल्यूशन आरगा काम
क्लोरीन सॉल्यूशन की मदद से भी इलेक्ट्रिक कॉफी मग को आसानी से साफ किया जा सकता है। इसके लिए पहले थोड़ा सा क्लोरीन सॉल्यूशन इलेक्ट्रिक कॉफी मग में डालकर 20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद क्लोरीन सॉल्यूशन निकालकर मग को किसी ब्रश से रगड़े। हालांकि,

ध्यान रखें कि ब्रश अधिक हार्श नहीं होना चाहिए क्योंकि उससे मग पर खरोंच लग सकती है। अंत में इसे गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें। बैकिंग सोडा भी है प्रभावी

अगर कई बार सफाई के बाद भी इलेक्ट्रिक काफी मग के अदर जमीं हुँड़ गदगा साफ नहीं हो रही है तो आपको बोकेंग साड़ा का इस्तमाल करना चाहिए क्योंकि इससे सफाई काफी आसान हो जाता है। इसके लिए इलेक्ट्रिक कॉफी मग में एक छोटी चम्मच बेकिंग सोडा पाउडर और एक बड़ी चम्मच पानी डालकर 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब एक स्पंज से मग के अंदर की सफाई करके इसे पानी से धो लें।

अगर आप इलेक्ट्रिक कॉफी मग में चाय और कॉफी के साथ-साथ अन्य पेय पदार्थों को भी गर्म करते हैं तो इससे मग से अजीब सी महक आने लगती है और इसे दूर करने के लिए आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक बड़ी चम्मच सफेद सिरके को मग में डालें, फिर इसमें

पानी भरकर उसे गर्म करें। 10 मिनट बाद पानी को फेंक दें। इससे खराब मंहक दूर हो जाएगी।

धीरे—धीरे पराने फॉर्म में लौटती दिख रहीं शिल्पा शेडी

करीब एक महीने के बाद शिल्पा शेषी शो पर लौट आई है और फिर धीरे-धीरे पुराने फॉर्म में लौटती दिख रही हैं। बीते संगे रो शिल्पा तो अंतिम शिल्पी थी जो दो से दो साँड़ शिल्पा था। अंतिम दो साँड़ थीं यारी में पारों तेज़ अंतिम

मड़ को शिल्पा को डासेग रिएलटी शो के सेट पर स्पॉट किया गया। ऑरेज कलर को साड़ी में एकट्रेस बहद गाजियस नजर आ रहीं थीं। शिल्पा शेष्टी ने ऑरेज कलर की साड़ी के साथ गोल्डन एसेसरीज के साथ अपने स्टाइल को कंपलीट किया था।

इसके अलावा इसुपर डांसर चौप्टर 4य के सेट पर रवीना टंडन भी स्पॉट की गई। रवीना शो के अपक्रिया एपिसोड में गेस्ट जज के रूप में नजर आएंगी। रवीना ब्लैक कलर—गोल्डन की साड़ी में नजर आई। शिल्पा शेट्टी और रवीना टंडन दोनों ही खबूसूरत साड़ी में बेहद गॉर्जियस नजर आई। शिल्पा ने गोल्डन कलर का झुमका और ब्रेसलेट और गोल्डन कलर

साथ ही अपनी हेयरस्टाइल को सॉफ्ट वेस्ट में रखा था, और मामूली मेकअप में गजब की खूबसूरत नजर आ रही हैं। वहीं मस्त-मस्त गर्ल रवीना टंडन भी ब्लैक-गोल्डन और सिल्वर साड़ी में मामूली मेकअप में बला की खूबसूरत दिख रही

वहाँ मर्स्ट-मर्स्ट गल रवीना टंडन भा ल्लक-गाल्डन आर सल्वर सोडा म भामूल मकअप म बला का खूबसूरत दिख रहा हैं. शिल्पा शेट्टी और रवीना टंडन दोनों ने ही पैपराजी को देखकर स्माइल देते हुए पोज दिया। बता दें कि 19 जुलाई को जब राज कुंद्रा को गिरफतार किया गया था तो उसके दो दिन बाद शिल्पा शेट्टी श्सुपर डांसर चौप्टर 4्य की शूटिंग करने वाली थीं। जब पता चला कि वो शूटिंग पर नहीं आएंगी तो शो मेकर्स ने उनकी जगह रवीना टंडन को लेने का मन बनाया था। खबरों की माने तो जब मेकर्स ने रवीना को एप्रोच किया था तो उन्होंने शो में शिल्पा को रिप्लेस करने से इनकार कर दिया था। रवीना ने कहा था कि शो शिल्पा का ही रहेगा और वह चाहेंगी कि वही शो की जज रहें। बता दें कि श्सुपर डांसर चौप्टर 4्य को लंबे समय से जज कर रहीं शिल्पा शेट्टी के हस्बैंड राज कुंद्रा जब पोर्न फिल्म मामले में गिरफतार हुए तो एक्ट्रेस ने शो से दूरी बना ली थी।

धीरे-धीरे पुराने फॉर्म में लौटती दिख रहीं शिल्पा शेट्टी

करीब एक महीने के बाद शिल्पा शेट्टी शो पर लौट आई है और फिर धीरे-धीरे पुराने फॉर्म में लौटती दिख रही हैं। बीते मंडे को शिल्पा को डांसिंग रिएलिटी शो के सेट पर स्पॉट किया गया। ऑरेज कलर की साड़ी में एक्ट्रेस बेहद गॉर्जियस नजर आ रहीं थीं। शिल्पा शेट्टी ने ऑरेज कलर की साड़ी के साथ गोल्डन एसेसरीज के साथ अपने स्टाइल को कंपलीट किया था।

इसके अलावा श्सुपर डांसर चौप्टर 4्य के सेट पर रवीना टंडन भी स्पॉट की गई। रवीना शो के अपक्रिया एपिसोड में गेस्ट जज के रूप में नजर आएंगी। रवीना ब्लैक कलर—गोल्डन की साड़ी में नजर आई। शिल्पा शेष्टी और रवीना टंडन दोनों ही खूबसूरत साड़ी में बेहद गॉर्जियस नजर आई। शिल्पा ने गोल्डन कलर का झुमका और ब्रेसलेट और गोल्डन कलर की ही सैंडिल पहनी दिख रहीं।

साथ ही अपनी हेयरस्टाइल को सॉफ्ट वेब्स में रखा था, और मामूली मेकअप में गजब की खूबसूरत नजर आ रही हैं। वहीं मस्त-मस्त गर्ल रवीना टंडन भी ब्लैक-गोल्डन और सिल्वर साड़ी में मामूली मेकअप में बला की खूबसूरत दिख रही हैं। शिल्पा शेट्टी और रवीना टंडन दोनों ने ही पैपराजी को देखकर स्माइल देते हुए पोज दिया। बता दें कि 19 जुलाई को जब राज कुंद्रा को गिरफ्तार किया गया था तो उसके दो दिन बाद शिल्पा शेट्टी श्सुपर डांसर चौप्टर 4च की शूटिंग करने वाली थीं। जब पता चला कि वो शूटिंग पर नहीं आएंगी तो शो मेकर्स ने उनकी जगह रवीना टंडन को लेने का मन बनाया था। खबरों की माने तो जब मेकर्स ने रवीना को एप्रोच किया था तो उन्होंने शो में शिल्पा को रिप्लेस करने से इनकार कर दिया था। रवीना ने कहा था कि शो शिल्पा का ही रहेगा और वह चाहेंगी कि वहीं शो की जज रहें। बता दें कि श्सुपर डांसर चौप्टर 4च को लंबे समय से जज कर रहीं शिल्पा शेट्टी के हस्बैड राज कुंद्रा जब पोर्न फिल्म मामले में गिरफ्तार हुए तो एकट्रेस ने शो से दूरी बना ली थी।

धीरे-धीरे पुराने फॉर्म में लौटती दिख रहीं शिल्पा शेट्टी

करीब एक महीने के बाद शिल्पा शेट्टी शो पर लौट आई है और फिर धीरे-धीरे पुराने फॉर्म में लौटती दिख रहीं हैं। बीते मंडे को शिल्पा को डांसिंग रिएलिटी शो के सेट पर स्पॉट किया गया। ऑरेज कलर की साड़ी में एक्ट्रेस बेहद गॉर्जियस नजर आ रहीं थीं। शिल्पा शेट्टी ने ऑरेज कलर की साड़ी के साथ गोल्डन एसेसरीज के साथ अपने स्टाइल को कंपलीट किया था।

इसके अलावा श्सुपर डांसर चौप्टर ४्च के सेट पर रवीना टंडन भी स्पॉट की गई। रवीना शो के अपक्रियाएँ एपिसोड में गेस्ट जज के रूप में नजर आएंगी। रवीना ब्लैक कलर-गोल्डन की साड़ी में नजर आई। शिल्पा शेट्टी और रवीना टंडन दोनों ही खूबसूरत साड़ी में बेहद गॉर्जियस नजर आई। शिल्पा ने गोल्डन कलर का झुमका और ब्रेसलेट और गोल्डन कलर की ही सैंडिल पहनी दिख रहीं।

साथ ही अपनी हेयरस्टाइल को सॉफ्ट वेव्स में रखा था, और मामूली मेकअप में गजब की खूबसूरत नजर आ रहीं हैं। वहीं मस्त-मस्त गर्ल रवीना टंडन भी ब्लैक-गोल्डन और सिल्वर साड़ी में मामूली मेकअप में बला की खूबसूरत दिख रही हैं। शिल्पा शेट्टी और रवीना टंडन दोनों ने ही पैपराजी को देखकर स्माइल देते हुए पोज दिया। बता दें कि 19 जुलाई को जब राज कुंद्रा को गिरफ्तार किया गया था तो उसके दो दिन बाद शिल्पा शेट्टी श्सुपर डांसर चौप्टर ४्च की शूटिंग करने वाली थीं। जब पता चला कि वो शूटिंग पर नहीं आएंगी तो शो मेकर्स ने उनकी जगह रवीना टंडन को लेने का मन बनाया था। खबरों की माने तो जब मेकर्स ने रवीना को एप्रोच किया था तो उन्होंने शो में शिल्पा को रिप्लेस करने से इनकार कर दिया था। रवीना ने कहा था कि शो शिल्पा का ही रहेगा और वह चाहेंगी कि वहीं शो की जज रहें। बता दें कि श्सुपर डांसर चौप्टर ४्च को लंबे समय से जज कर रहीं शिल्पा शेट्टी के हस्बैंड राज कुंद्रा जब पोर्न फिल्म मामले में गिरफ्तार हुए तो एक्ट्रेस ने शो से दूरी बना ली थी।

हीरा मंडी में रेखा की जगह ऐश्वर्या राय को कास्ट कर सकते हैं भंसाली

हीरा मंडी में रेखा की जगह ऐश्वर्या राय को कास्ट कर सकते हैं भंसाली

A photograph of Aishwarya Rai Bachchan, looking directly at the camera with a slight smile. She has dark hair and is wearing red lipstick. In the background, there is a pink star-shaped award plaque with the text "FEMINA WOMEN OF THE YEAR AWARDS 2018". To her right, the word "FEMINA" is partially visible.

संजय लीला भंसाली फिल्म जगत के लोकप्रिय निर्देशक हैं। वह अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज हीरा मंडी को लेकर चर्चा में हैं। फिलहाल इस प्रोजेक्ट की कास्टिंग की प्रक्रिया चल रही है। कुछ समय पहले जानकारी सामने आई थी कि सीरीज में भंसाली सदाबहार अभिनेत्री रेखा को शामिल कर सकते हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि भंसाली हीरा मंडी में रेखा की जगह ऐश्वर्या राय को कास्ट करने का मन बना रहे हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सीरीज हीरा मंडी में रेखा की जगह ऐश्वर्या को चुना जा सकता है। एक सूत्र ने बताया, यह वही भूमिका है जिसके लिए रेखा के नाम पर विचार किया जा रहा था। ऐसा माना जाता है कि रेखा का पिछले कुछ वर्षों में निर्देशक के साथ काम करना मुश्किल हो गया है। रेखा को साइन करने का भंसाली का उत्साह फिल्म फितूर के निर्माण के दौरान खत्म हो गया था।

सूत्र ने आगे बताया कि फितूर के निर्माण के दौरान निर्देशक अभिषेक कपूर के साथ रेखा के व्यवहार से भंसाली काफी असहज हो गए थे। इसके बाद रातों—रात रेखा को फिल्म से हटा दिया गया था और उनके दूसरे पार तत्त्व को चुना गया था। सब ने कहा ऐसी समस्याओं का समाप्त करने के लिए भंसाली ने हीरा



गणेश चतुर्थी के मौके पर इस तरह से सजाएं अपना घर, लगेगा बेहद खूबसूरत



कुछ ही दिनों में गणेश चतुर्थी का आगाज होने ही वाला है और कई लोग इस दिन अपने घरों में 10 दिन तक भगवान गणपति की स्थापना करके पूरे श्रद्धा भाव से उनकी पूजा अर्चना करते हैं। वहाँ, गणपती के स्थापना से पहले अपने घर को तरह-तरह से सजाते हैं। ऐसे में अगर आप इस बार गणेश चतुर्थी के लिए अपने घर को एक आकर्षक त्योहार

वाला लुक देना चाहते हैं तो ये टिप्प आपके बड़े काम आ सकती हैं।
बन्दनवार से सजाएं घर का मुख्य प्रवेश द्वारः गणेश चतुर्थी के लिए घर की दीवारों को सजाने से पहले इसके मुख्य द्वार को सजाना जरुरी है क्योंकि घर में प्रवेश करते समय सबसे पहले इसी पर ध्यान जाता है। आप चाहें तो घर के मुख्य प्रवेश द्वार को बन्दनवार से सजा सकते हैं। यूं तो आपको मार्केट में कई तरह के बन्दनवार मिल जाएंगे, लेकिन इस शुभ अवसर पर आप खुद आम की पत्तियों और कलावे से एक बन्दनवार बनाकर मुख्य

द्वार पर लगाएं।
रंग-बिरंगे फूलों से करें सजावट: त्योहार भले ही कोई भी हो, फूलों का इस्तेमाल करके घर को सजाया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि फूल असली होने चाहिए आर्टिफिशियल नहीं क्योंकि असली फूलों से घर को बहुत ही खूबसूरत लुक मिलता है। गणेश चतुर्थी के त्योहार के लिए आपको छोटे आकार के रंग-बिरंगे फूलों से अपने घर को सजाना चाहिए। आप घर के सभी कमरों के किनारों, दीवारों और दरवाजों को फूलों से सजा सकते हैं। पेपर क्राफ्ट है अच्छा तरीका: अगर आपका सोचना यह है कि फूलों से तो हर कोई सजावट करता है और आपको इससे हटके कुछ अलग करना चाहिए तो पेपर क्राफ्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। पेपर क्राफ्ट से भी घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाई जा सकती है। इसके लिए आप कलरफुल पेपर्स से डिजाइन बना सकते हैं या फिर घर की दीवारों पर पेपर की रंगीन लड़ियां भी लगा सकते हैं। यकीनन मानिए इससे भी घर की दीवारें खिल उठेंगी। रंगोली बनाएं: रंगोली की मदद से आप अपने घर को विशेष रूप से गणेश चतुर्थी के दौरान आकर्षण का केंद्र बना सकते हैं। इसके लिए बस ऑनलाइन रिसर्च करके अच्छे रंगोली के डिजाइन्स खोजें और फिर का इस्तेमाल करके अपने पसंदीदा रंगोली के डिजाइन की रूपरेखा तैयार करें। फिर इसे भरने के लिए रंगों का इस्तेमाल करें। अगर आपको ऐसा करने में कोई परेशानी हो रही है तो मार्केट से तैयार रंगोली स्टैंसिल